Bihar Board Class 6 Social Science Geography Notes Chapter 5 दिशाएँ

पाठ का सारांश

रोहित के पिता फोन पर अपने मित्र को घर का पता बता रहे थे लेकिन रोहित के पिताजी को बात समझ में न आई। वह पिताजी से पूछा-पिताजी, क्या अंकल घर पहुँच जाएँगे? तब उनके पिताजी ने ऐसा चित्र बनाया जिससे रोहित को अब लगने लगा कि इस चित्र के द्वारा अब वह भी घर से स्टेशन जा सकता है और स्टेशन से घर आ सकता है।

वह अपने गाँव का चित्र बनाने के लिए अपने गुरुजी से पूछा । गुरुजी ने कहा-यह बहुत आसान काम नहीं है लेकिन इसके पहले हमें कुछ बातों "की जानकारी लेनी होगी। उन्होंने सभी बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करके

- पूछा कि सभी अपना मुँह पूरब की ओर किये हैं ?
- आपका बायाँ हाथ किस दिशा में है?
- आपका दायाँ हाथ किस दिशा की ओर है?
- आपकी पीठ किस दिशा में है ?
- सामुदायिक भवन किस दिशा में है?
- पेड़ किस दिशा में है?

अगर आप अपनी पीठ सूर्य की ओर कर लें तो आपके किस दिशा में कौन-कौन-सी चीज होगी?

अब उन्होंने सभी बच्चों को विभिन्न दिशाओं में खड़ा किया और बारी-
बारी से एक-एक बच्चों को बीच में खड़ा कर पूछा –

- राखी सुमन से किस दिशा में खड़ी है ?
- गीता राधा से किस दिशा में खड़ी है?
- विजय के पूरब कौन खड़ा है?
- विक्टर के पश्चिम में कौन खड़ा है?
- नीतू के उत्तर में कौन खड़ा है?
- गोविन्द के सबसे दक्षिण में कौन है?

बच्चे जल्दी से एवं ठीक-ठीक जवाब देने लगे।

तब गुरु जी ने बच्चों को समझाया कि उगते सूर्य की ओर मुँह कर खड़ा होने पर सामने पूरब दिशा, पीछे पश्चिम दिशा, बायीं हाथ की ओर उत्तर दिशा एवं दाहिनी हाथ की ओर दक्षिण दिशा होती है। उन्होंने बच्चों को मानचित्र दिखाया और बताया-ठीक इसी प्रकार, मानचित्रों के सामने खड़ा होने पर ऊपर की तरफ उत्तर, नीचे की तरफ दक्षिण, दायीं ओर पूरब और बायीं ओर पश्चिम दिशा होती है। उन्होंने बच्चों से पूछा-भारत के चारों दिशाओं में क्या है ?

https://www.evidyarthi.in/

बच्चों ने बताया-पूरब में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर, उत्तर
में हिमालय तथा दक्षिण में हिन्द महासागर है।

उन्होंने बच्चों से कहा-जब आप किसी स्थान का मानचित्र बनाएँगे तो उसमें वस्तुओं की दिशा के हिसाब से ही उसे मानचित्र में सही दिशा में अंकित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कल मैं आपको मानचित्र बनाना सिखाऊँगा और कक्षा से बाहर चले गये।

इस प्रकार हमें सभी दिशाओं के बारे में जानकारी मिली।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/